'The Cost of Love : A Common Man's Love Story' उपन्यास का हिंदी अनुवाद और अनुवाद संबंधी समस्याओं का अध्ययन

Hindi Translation of the Novel, 'The Cost of Love : A Common Man's Love Story' and the Study of Related Problems in Translation

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की

एम.फिल. उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध का शोध-सार

शोधार्थी

आशीष कुमार पाण्डेय

(पंजीयन संख्या: 2016/04/219/006)

सत्र: 2016-17

अनुवाद अध्ययन विभाग

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र), भारत

भूमिका

“The Cost of Love : A Common Man’s Love Story उपन्यास का हिंदी अनुवाद और अनुवाद संबंधी समस्याओं का अध्ययन” शीर्षक शोध-विषय अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। शोधार्थी ने इस अंग्रेज़ी उपन्यास का हिंदी अनुवाद “आम आदमी का प्रेमाख्यान” शीर्षक से किया है। इस उपन्यास के कथानक का एक रूप वह है, जिसमें एक आम आदमी की प्रेम कहानी है, जो वर्तमान समाज में हो रही घटनाओं से प्रभावित है। लेकिन इसका दूसरा रूप वह है, जो हमें स्त्री विरोधी और संस्कृति विरोधी शक्तियों के यथार्थ से परिचित कराता है। ये नकारात्मक और विनाशकारी शक्तियाँ आम आदमी की स्वतंत्रता ही नहीं, अपितु उसके जीवन के अधिकार को भी अपने पैरों तले कुचल रही हैं। विडंबना यह है कि समाज के अधिकांश लोग इनके विरुद्ध बोलने से परहेज करते हैं और जो साहस करते हैं, उनकी वही दशा होती है, जो इस उपन्यास के मुख्य पात्र की हुई। यह भी उल्लेखनीय है कि आम आदमी का प्रेमाख्यान मूल भाषा में निर्भया कांड से प्रेरित होने की प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका है। अपनी अन्य विशेषताओं के साथ यह भी एक कारण है कि इसे हिंदी पाठक-वर्ग के लिए सुलभ बनाने और अनूदित पाठ के आधार पर अनुवाद की व्यावहारिक समस्याओं के अध्ययन को शोध-समस्या के रूप में ग्रहण किया गया।

यह जानना भी उपयोगी हो सकता है कि मूल कृति भारतीय अंग्रेज़ी कथा साहित्य का अंग है, जिसका प्रकाशन सन् 2017 में हुआ और जो प्रकाशन के तुरंत बाद समीक्षकों का ध्यान आकर्षित करने में सफल रही।

साहित्य और अनुवाद में रुचि होने के कारण शोधार्थी को इस विषय पर शोध-कार्य करने की प्रेरणा मिली। शोध विषय के निर्धारण के लिए अध्ययन के दौरान पाया गया कि अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनूदित उपन्यासों के अनुवादपरक मूल्यांकन और तुलनात्मक अध्ययन जैसे विषयों पर अनेक शोध कार्य संपन्न हो चुके हैं, परंतु ऐसे शोध कार्यों का प्राय: अभाव है, जिनमें किसी कृति का अनुवाद करके अनुवाद-कार्य में आने वाली समस्याओं का अध्ययन एवं विश्लेषण किया गया हो। ये कार्य पूर्व निर्धारित कसौटी पर किसी साहित्यिक कृति के अनुवाद का अनुवादपरक मूल्यांकन करते हुए उसकी आत्मा को प्रकाशित करने में अधिक ध्यान नहीं देते। इनका अधिक ध्यान व्याकरण के विभिन्न अवयवों के आधार पर कृति को सफल या असफल घोषित करने पर रहता है। यदि गंभीरता के साथ देखा जाए, तो किसी एक भाषा की कृति के दूसरी भाषा में अनुवाद की परीक्षा बहुत सारे व्यावहारिक आधारों पर की जानी चाहिए। यहाँ तक कि शब्दों के चुनाव को भी कथा और सामाजिक संस्कृति के आधार पर जांचा जाना चाहिए। प्रस्तुत शोध-कार्य के मूल में इस धारणा ने आधार का कार्य किया है। अनुवाद ज्ञानानुशासन के अंतर्गत इस प्रकार के शोध कार्य की शोधार्थी को आवश्यकता महसूस हुई। एक भावना यह भी थी कि इस विधा से संबंध रखने वाले भावी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए इस शोध कार्य से कुछ मदद मिल सकेगी।

शोधार्थी के मन में जिज्ञासा थी कि उपन्यास का अनुवाद करते हुए कौन-कौन सी समस्याएँ आती हैं। इन समस्याओं को जानने की रुचि मेरे मन में उत्पन्न हुई, जिससे भविष्य में इन समस्याओं का समाधान मेरे लिए भी और साहित्य के भावी अनुवादकों के लिए भी सहायक सिद्ध हो जाए। साहित्य के अनुवाद में व्याकरण, शब्द, वाक्य आदि के स्तर पर अनेक समस्याएँ आती हैं। ये समस्याएँ सामाजिक-सांस्कृतिक प्रसंगों के आधार पर बदलती रहती हैं। इसी प्रकार एक ही शब्द के अनेक अर्थ होते हैं। उन अर्थों में से कौन-सा अर्थ ग्रहण किया जाए, यह प्रसंग, अनुवादक की योग्यता और उद्देश्य पर निर्भर करता है। चूंकि ये सभी समस्याएँ अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष से जुड़ी हुई हैं और इस पर अध्ययन बहुत कम हुआ है, इसलिए इस प्रकार का शोध-कार्य अपनी सार्थकता स्वयं ही सिद्ध कर देता है।

प्रस्तुत लघु शोध-कार्य की प्रस्तुति-योजना के अनुसार सबसे पहले शोध-समस्या, शोध-सामग्री, शोध की सीमाओं और शोध-प्रविधि का परिचय दिया गया है। आधारभूमि निर्मित करने की दृष्टि से चयनित उपन्यास के कथानक का संक्षिप्त रूप

और लेखक का परिचय भी उपलब्ध करा दिया गया है। शोध की मर्यादा का पालन करते हुए शोध-प्रश्नों तथा उद्देश्यों के बारे में भी पहले ही बता दिया गया है। इसके पश्चात आधार-पाठ की प्रस्तुति की गई है।

चयनित उपन्यास, The Cost of Love : A Common Man's Love Story का हिंदी अनुवाद, "आम आदमी का प्रेमाख्यान" शोध-कार्य की आधार-सामग्री है। यह अनुवाद शोध-योजना के अनुसार शोधार्थी द्वारा किया गया है, जिसकी जाँच शोध-निर्देशक द्वारा की गई है। सूचनीय है कि चयनित उपन्यास में उन्नीस अध्याय हैं। शोधार्थी ने सभी का अनुवाद प्रस्तुत किया है। संपूर्ण अनूदित पाठ को एक स्वतंत्र अध्याय के रूप में जगह दी गई है।

शोधार्थी द्वारा निर्मित यह अनूदित पाठ अनुवाद की समस्याओं के अध्ययन का स्रोत है। अनुवाद करते समय आने वाली समस्याओं का वर्गीकरण और विश्लेषण ही इसका उद्देश्य है। साहित्यिक अनुवाद करते हुए अनुवादक को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ये समस्याएँ सामान्य रूप से शब्द के स्तर पर, वाक्य के स्तर पर, मुहावरों व कहावतों के स्तर पर होती हैं। शोधार्थी ने अपने अनुभवों के आधार पर इनका विश्लेषण किया है तथा अर्थ-ग्रहण व शब्द-चयन के आधार स्पष्ट किए हैं। सामान्य समस्याओं के साथ ही समाज, संस्कृति, अंतरानुशासनिक विषयों, चरित्रों, मनोवैज्ञानिक स्थितियों, घटना प्रसंगों के आधार पर अनुवादक के सामने अनेक विशिष्ट समस्याएँ आती हैं। इनके विषय में ज़रा सी असावधानी भी संपूर्ण अनुवाद को असफल बना देती है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए अनुवाद की चुनौतियों और समस्याओं का विश्लेषण किया गया है और वे उपाय भी सुझाए गए हैं, जिनका उपयोग शोधार्थी ने आधार-पाठ तैयार करते समय अनुवाद में किया है।

आभार ज्ञापन

सर्वप्रथम मैं अनुवाद हेतु चयनित उपन्यास के लेखक, सौरभ सिंह तथा इनविंसिबल प्रकाशन के प्रमुख अजय सेतिया का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस उपन्यास का अनुवाद और उस पर शोध करने की अनुमति प्रदान की। इसके पूर्व शोधार्थी अनेक लेखकों और प्रकाशकों से निवेदन करने के बावजूद अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका था। कारण यह था कि या तो वे शोधार्थी को कोई व्यावसायिक अनुवादक समझ कर घोर व्यावसायिक प्रस्ताव करने लगते थे अथवा तरह-तरह के बहाने बनाने लगते थे। कुछ ऐसा ही प्रस्तुत उपन्यास के संदर्भ में भी होते-होते बचा। पता नहीं कैसे लेखक और प्रकाशक, दोनों को ही शोधार्थी की ईमानदारी और निष्ठा पर विश्वास हो गया और वे शोध हेतु इस कृति के अनुवाद व अनूदित पाठ के प्रयोग

के लिए सहमत हो गए। प्रकाशक ने सहमति पत्र भी उपलब्ध करवाया। कथाकार सौरभ सिंह ने इस उपन्यास की मूल संवेदना को समझने में भी मेरी मदद की। उन्होंने ई-मेल के माध्यम से मुझे लगातार सहयोग और प्रोत्साहन दिया। इसके लिए शोधार्थी उनका और अनुवाद की अनुमति हेतु प्रकाशक का सदैव आभारी रहेगा।

कृति के अनुवाद और अनुवाद-कार्य के आधार पर उसके अनुवाद में आने वाली चुनौतियों के अध्ययन से संबंधित यह अनुवाद अध्ययन विभाग का प्रथम शोध-कार्य है। इस प्रकार के मेरे शोध-प्रस्ताव पर शोध-कार्य की अनुमति विभागीय समिति की संस्तुति के आधार पर विभागीय अध्ययन मंडल ने प्रदान की। शोध की इस परंपरा की शुरुआत के लिए शोधार्थी अनुवाद अध्ययन विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष, डॉ. राम प्रकाश यादव, विभागीय प्राध्यापकों, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. हरप्रीत कौर और विभाग के प्रथम पोस्ट डाक्टोरल फैलो, डॉ. मिलिंद बा. पाटिल के प्रति आभार प्रकट करता है। वरिष्ठ पी-एच.डी. शोधार्थी बृजेश कुमार चौहान, जीतेन्द्र, कुलदीप कुमार पाण्डेय, आकांक्षा मोहन और सहपाठी अनुज कुमार गौतम व अपर्णा पिराजी माने ने अपने अमूल्य सुझाव भी दिए और आवश्यक होने पर शब्दों के प्रसंगार्थ समझने में सहायता भी की। विशेष रूप से बड़े भाई, कुलदीप और जीतेन्द्र ने अध्ययन के संसाधन खोजने से लेकर अध्ययन व शोध की अनुकूल परिस्थितियाँ बनाने में अविस्मरणीय योगदान किया। इनके प्रति आभार प्रकट करने से अधिक मैं जीवन भर इनका ऋणी रहना चाहता हूँ। इनके अतिरिक्त मैं उन सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस शोध कार्य को संपन्न करने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहायता की।

शोधार्थी द्वारा यह लघु शोध कार्य पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की एम.फिल. उपाधि हेतु निर्धारित मूल्यांकन-प्रक्रिया में सम्मिलित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत है।

(आशीष कुमार पाण्डेय)

एम. फिल. शोधार्थी (अनुवाद अध्ययन)

2016/04/219/006

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र/ प्रमाण पत्र

अनुवाद हेतु अनुमति प्रमाण पत्र

भूमिका **i-iv**

अध्याय 1 **1-13**

प्रस्तावना, शोध समस्या और शोध प्रविधि

1.1. साहित्येतर पाठ का अनुवाद
1.2. साहित्यिक पाठ का अनुवाद
1.3. कथा साहित्य का अनुवाद
1.4. कृति विशेष का अनुवाद और उसकी समस्याएँ
1.5. चयनित कृति
1.6. उपन्यास का कथ्य
1.7. लेखक का परिचय
1.8. शोध क्षेत्र
1.9. शोध समस्या
1.10. शोध के प्रश्न
1.11. शोध का उद्देश्य
1.12. शोध प्रविधि
1.13. अध्याय-सार
1.14. प्रासंगिकता एवं उपयोगिता

अध्याय 2

'The Cost of Love : A Common Man's Love Story' का हिंदी अनूदित पाठ "*आम आदमी का प्रेमाख्यान*" **14-231**

2.1. अध्याय 1 : आखिरी पाँच दिन

2.2. अध्याय 2 : पहली नज़र में प्यार

2.3. अध्याय 3 : दूसरी मुलाकात

2.4. अध्याय 4 : पहला अलगाव

2.5. अध्याय 5 : मुझे उसका नाम पता चला

2.6. अध्याय 6 : दूसरा दिन

2.7. अध्याय 7 : वह इतना बुरा नहीं था

2.8. अध्याय 8 : मै सच में बेवकूफ था

2.9. अध्याय 9 : पहली गंदी सेल्फी

2.10. अध्याय 10 : तीसरा दिन

2.11. अध्याय 11 : तुम बेवकूफ हो

2.12. अध्याय 12 : स्टारबक्स

2.13. अध्याय 13 : अब मेरी बारी थी

2.14. अध्याय 14 : चौथा दिन

2.15. अध्याय 15 : एफ. आई. आर.

2.16. अध्याय 16 : और वो मुझे 'आई लव यू' बोली

2.17. अध्याय 17 : उसी वक्त एम्स में

2.18. अध्याय 18 : तीन साल

2.19. अध्याय 19 : और मैं आरुषि से मिला

अध्याय 3

'The Cost of Love : A Common Man's Love Story' उपन्यास के हिंदी अनुवाद की समस्याओं का विश्लेषण 232-257

3.1. चयनित कृति के हिंदी अनुवाद में आई समस्याओं का विश्लेषण

3.1.1. शब्द के स्तर पर आने वाली समस्याएँ

3.1.2. वाक्य के स्तर पर आने वाली समस्याएँ

3.1.3. मुहावरों एवं वाक्यांशों के आधार पर आने वाली समस्याएँ

3.1.4. पैराग्राफ के अनुवाद में आने वाली समस्याएँ

3.2. अनुवाद संबंधी सामाजिक एवं सांस्कृतिक समस्याएँ

उपलब्धियाँ और संभावनाएँ **258-260**

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट